



मिशन शिक्षण संवाद



शिक्षा का उत्थान



शिक्षक का सम्मान

बाल जिज्ञासा





जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

951



**वायुयान के टायर में कौन-सी गैस
भरी जाती है?**



वायुयान के टायर में नाइट्रोजन गैस भरी जाती है। इसका उपयोग इसलिए किया जाता है क्योंकि नाइट्रोजन आग नहीं पकड़ती। यह अन्य गैसों की तुलना में अधिक स्थिर है और उच्च तापमान पर भी विस्फोट का जोखिम नहीं होता। नाइट्रोजन का तापमान में बदलाव के साथ विस्तार और संकुचन नियंत्रित रहता है, जिससे टायर की कार्यक्षमता और सुरक्षा बनी रहती है। नाइट्रोजन में नमी नहीं होती, जिससे टायर के अंदर जंग या क्षति का खतरा नहीं होता।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



सूर्य होने पर भी अंतरिक्ष में अंधेरा
क्यों होता है?



अंतरिक्ष में कोई वायुमंडल नहीं है। सूर्य की किरणें सीधी रेखाओं में यात्रा करती हैं और उनका रंग फैलता नहीं है क्योंकि अंतरिक्ष में कोई भी कण, चाहे वह ठोस हो, तरल हो या गैस, नहीं है जो प्रकाश को परावर्तित कर सके। अंतरिक्ष में सूर्य के प्रकाश का किसी माध्यम से परावर्तन न होने के कारण अंतरिक्ष में अंधेरा रहता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



बस में चक्कर क्यों आते हैं?



बस में यात्रा करने पर चक्कर या उल्टी आने की समस्या कई लोगों को होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं:-

कारण-

1. ***मोशन सिकनेस*:** बस की गति, घूमने और ब्रेक लगने से शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे चक्कर और उल्टी आती है।
2. ***दृष्टि और संतुलन*:** बस में बैठने से दृष्टि और शरीर संतुलन का संबंध बिगड़ जाता है, जिससे चक्कर आता है।
3. ***अनुभव और मनोविज्ञान*:** यदि आप पहले से ही बस यात्रा से परेशान हैं, तो आपको चक्कर और उल्टी आने की संभावना अधिक होती है।
4. ***शारीरिक स्थिति*:** गर्भावस्था, माइग्रेन, या अन्य शारीरिक स्थितियाँ चक्कर और उल्टी का कारण बन सकती हैं।
5. ***वातावरण*:** बस की भीड़, धुआं, या अन्य वातावरणीय कारक भी चक्कर और उल्टी का कारण बन सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



धुआँ ऊपर क्यों उठता है?



धुआँ ऊपर उठता है क्योंकि उसमें गर्म गैसों और सूक्ष्म ठोस कण होते हैं। गर्म गैसों ठंडी गैसों की तुलना में हल्की होती हैं क्योंकि गर्म होने से उनका घनत्व कम हो जाता है। यह प्रक्रिया गुरुत्वाकर्षण और वायु का संवहन (convection) के कारण होती है।

जब किसी पदार्थ का दहन होता है, तो उससे निकलने वाली ऊर्जा के कारण आसपास की हवा गर्म हो जाती है। गर्म हवा हल्की होने के कारण ऊपर उठती है, और उसके साथ धुआँ भी ऊपर उठता है। ठंडी हवा नीचे आकर गर्म हवा की जगह लेती है, जिससे यह चक्र चलता रहता है।

यह प्रक्रिया वायुमंडलीय दबाव और तापमान पर भी निर्भर करती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

955



चलती गाड़ी या ट्रेन में बैठे व्यक्ति को बाहर की स्थिर चीजें पीछे भागते हुए क्यों दिखाई देती हैं?



चलती गाड़ी या ट्रेन में बैठे व्यक्ति को बाहर की स्थिर चीजें पीछे भागती हुई दिखाई देना सापेक्ष गति (Relative Motion) और दृष्टि का भ्रम (Optical Illusion) का परिणाम है। न्यूटन के गति के सापेक्षता सिद्धांत के मुताबिक, हम अपने आप को और वाहन के अंदर की चीजों को स्थिर मानते हैं वहीं बाहर का दृश्य बदलता रहता है। ट्रेन में बैठे व्यक्ति के लिए, ट्रेन की गति के कारण पेड़-पौधे, टावर, घर जैसी चीजों की दूरी जल्दी-जल्दी बदलती है। यह दूरी बदलने की गति ज़्यादा होती है, इसलिए ये चीजें पीछे की ओर तेज़ी से जाती हुई दिखती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



खतरे का निशान लाल रंग का ही क्यों बनाया जाता है?

DANGER



खतरा



खतरे का निशान लाल रंग का इसलिए बनाया जाता है क्योंकि लाल रंग की तरंगदैर्घ्य सबसे ज़्यादा होती है। इसकी वजह से, लाल रंग कम विक्षेपित होता है और दूर से भी दिखाई देता है। लाल रंग का प्रकीर्णन कम होता है, यानी लाल रंग का प्रकाश कम तीव्रता खोकर ज़्यादा दूरी तय कर पाता है। लाल रंग की तरंगदैर्घ्य ज़्यादा होने की वजह से, आँखों के रेटिना पर इसका असर ज़्यादा होता है। इसके अलावा लाल रंग में तरंगदैर्घ्य अन्य रंगों के मुकाबले सबसे ज्यादा होती है। इस वजह से कोहरा हो या बरसात लाल रंग हमेशा हमें दूर से ही दिखाई दे जाता है। यही वजह है कि लाल रंग को खतरे के निशान के तौर पर चुना गया, ताकि लोगों को खतरे के बारे में दूर से ही पता चल जाए।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

957



तेल ले जाने वाले टैंकर गोल आकार के ही क्यों बनाए जाते हैं?



जब किसी बर्तन में तरल पदार्थों को भरते हैं तो उसका दबाव कोनों में ज्यादा रहता है। ठीक उसी तरह जब पानी या तेल का टैंकर गोल होगा तो उसका दबाव चारों तरफ बराबर ही होगा। इसीलिए तरल पदार्थों के टैंकर गोल ही होते हैं। गोल आकार से पूरे कंटेनर में दबाव एक जैसा रहता है। अगर कोने होंगे, तो कोनों पर दबाव ज्यादा होगा और इससे फटने के चांसेज बढ़ जाएंगे। गोल आकार से सिलेंडर को उठाना और रखना तथा ट्रांसपोर्ट करना आसान होता है। इसके चलते निचले हिस्से में नमी भी नहीं ठहरती।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

958



क्या शुतुरमुर्ग का दिमाग कम होता है?



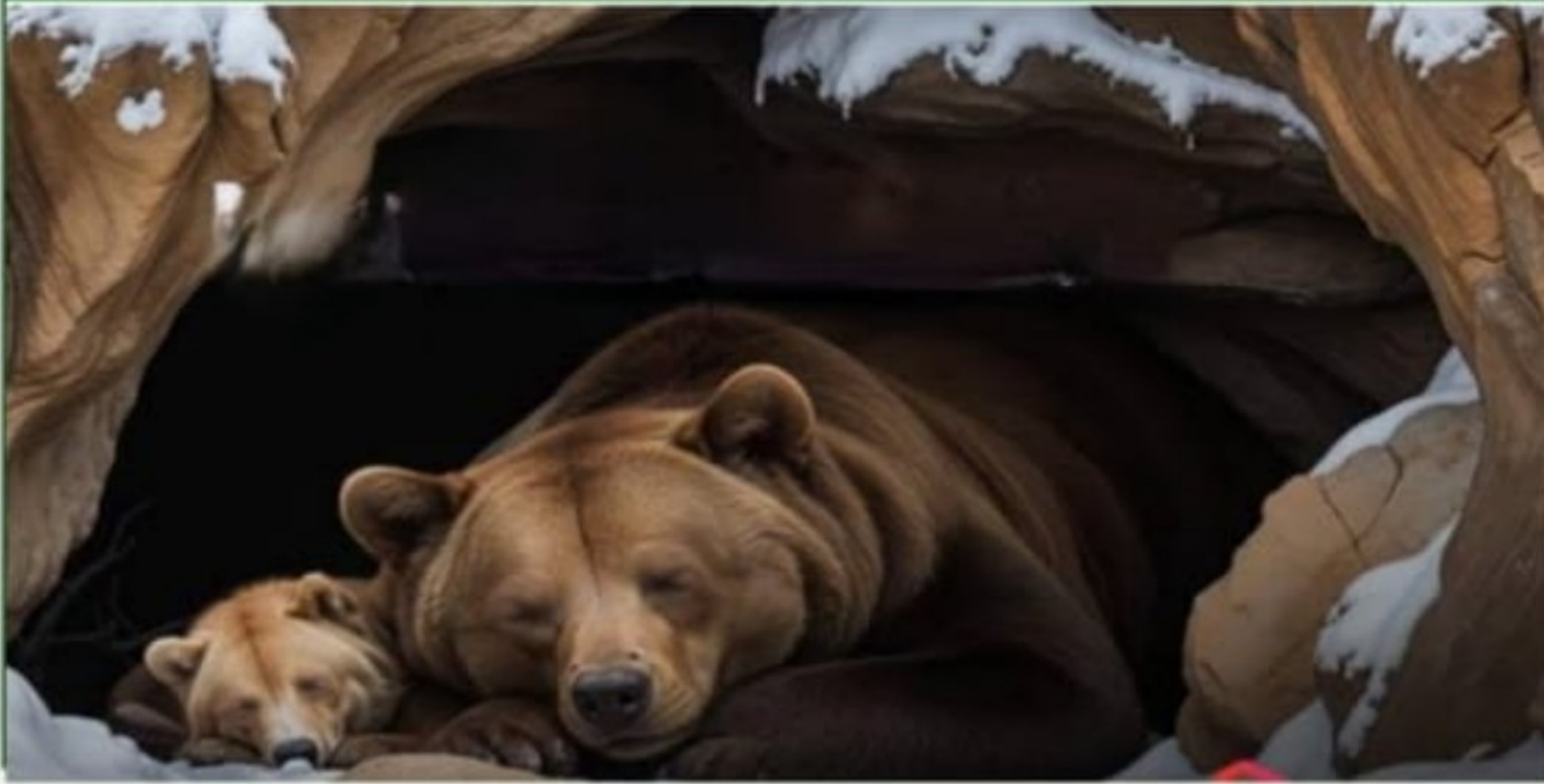
शुतुरमुर्ग के बारे में एक आम धारणा है कि उसका दिमाग कम होता है, लेकिन यह पूरी तरह से सच नहीं है। शुतुरमुर्ग का मस्तिष्क उसके शरीर के आकार के अनुपात में छोटा होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह मूर्ख या कम बुद्धिमान होता है।

वास्तव में, शुतुरमुर्ग एक बुद्धिमान और अनुकूलनीय पक्षी है, जो अपने आवास में जीवित रहने के लिए विभिन्न रणनीतियों का उपयोग करता है। वह अपनी तेजी से दौड़ने की क्षमता, अपनी मजबूत दृष्टि और अपनी सावधानी से खतरों से बचने की क्षमता के लिए जाना जाता है। इसलिए, शुतुरमुर्ग के बारे में यह धारणा कि उसका दिमाग कम होता है, एक मिथक है जिसे अब तक के वैज्ञानिक अनुसंधानों द्वारा खारिज किया गया है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



शीत निद्रा (हाइबरनेशन) क्या है?



शीत निद्रा (Hibernation) एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें कुछ जीव, विशेषकर ठंडे प्रदेशों में रहने वाले जीव, प्रतिकूल मौसम, खासकर सर्दियों में अपनी शारीरिक गतिविधियों को धीमा कर लेते हैं। इस दौरान उनका मेटाबॉलिज्म (चयापचय), श्वसन दर, हृदय गति और शरीर का तापमान बहुत कम हो जाता है। यह उन्हें ऊर्जा बचाने में मदद करता है ताकि वे लंबे समय तक बिना भोजन के जीवित रह सकें। हाइबरनेशन की अवधि कई महीने तक हो सकती है। इस दौरान, जानवर संग्रहीत वसा भंडार पर निर्भर रहते हैं। हाइबरनेशन के लिए तैयार होने के लिए, जानवर सुरक्षित छिपने की जगहों की तलाश करते हैं। शीत निद्रा करने वाले जीव: भालू, चमगादड़, गिलहरी, सरीसृप (कुछ सांप और कछुए), कुछ उभयचर जैसे मेंढक इत्यादि।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

960



दवाइयों के कैप्सूल के आवरण या खोल किस पदार्थ का बना होता है?



दवाइयों के कैप्सूल का बाहरी आवरण छूने पर प्लास्टिक जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में यह प्लास्टिक से नहीं बनाया जाता है। कैप्सूल के खोल मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं:-

1. जिलेटिन आधारित कैप्सूल:- ये पशु उत्पादों, जैसे कि मांस या हड्डियों से निकाले गए जिलेटिन से बनाए जाते हैं।

2. वेजिटेरियन कैप्सूल:- ये पौधों से प्राप्त सामग्री जैसे हाइड्रॉक्सिप्रोपाइल, मिथाइलसेल्युलोज (HPMC) से बनाए जाते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जिलेटिन क्या है? इसका क्या उपयोग है?



जिलेटिन एक प्रोटीन है, जो मुख्य रूप से जानवरों के हड्डियों, त्वचा और संयोजी ऊतकों से प्राप्त किया जाता है। यह एक रंगहीन, गंधहीन और स्वादहीन पदार्थ है, जो पानी में घुलने पर जेल (gel) बनाने की क्षमता रखता है। जिलेटिन बनाने के लिए जानवरों की हड्डियों, त्वचा और संयोजी ऊतकों को उबालकर और प्रसंस्करण (processing) के बाद कोलाजेन को निकाल कर प्रसंस्करित करके जिलेटिन बनाया जाता है।

जिलेटिन के उपयोग-

1. भोजन में:

मिठाइयाँ (जैसे जेली, गमी बियर, और मार्शमेलो) आइसक्रीम और डेयरी उत्पाद में। खाद्य पदार्थों में गाढ़ापन लाने के लिए

2. औषधि उद्योग में:

दवाइयों के कैप्सूल बनाने में

3. कॉस्मेटिक उद्योग में:

त्वचा की क्रीम, फेस मास्क और शैंपू में

4. फोटोग्राफी और फिल्म उद्योग:

पुराने समय में फोटो फिल्मस और कैमरा रोलस में जिलेटिन का उपयोग होता था।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

962



सीएनजी क्या है?



सीएनजी (CNG) का पूरा नाम Compressed Natural Gas है। यह प्राकृतिक गैस (मुख्य रूप से मीथेन) का संपीड़ित रूप है, जिसे उच्च दबाव पर गैस सिलेंडरों में संग्रहीत किया जाता है। सीएनजी के उपयोग ईंधन के रूप में वाहन चलाने के लिए पेट्रोल और डीजल का पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है। इसे घरेलू गैस (कुकिंग गैस) के रूप में भी उपयोग किया जाता है। उद्योगों में ऊर्जा स्रोत के रूप में और मशीनों को चलाने के लिए किया जाता है। यह पेट्रोल और डीजल की तुलना में कम प्रदूषण करता है तथा पेट्रोल और डीजल की तुलना में सस्ता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



उल्टी क्यों आती है?



उल्टी एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें पेट की सामग्री मुँह के माध्यम से बाहर निकलती है। यह आमतौर पर तब होता है जब पेट में कोई समस्या होती है, जैसे कि खाने की विषाक्तता, पाचन सम्बंधी समस्याएँ, या अन्य चिकित्सीय स्थितियाँ। जब पेट को लगता है कि उसकी सामग्री शरीर के लिए हानिकारक है, तो वह उल्टी के माध्यम से उसे बाहर निकालने का प्रयास करता है। उल्टी के अन्य कारणों में मतली, गर्भावस्था, और कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव भी शामिल हो सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

964



प्रायः उल्टी के बाद दाँत खट्टे क्यों हो जाते हैं?



प्रायः उल्टी के बाद दाँत खट्टे हो जाते हैं क्योंकि उल्टी में पेट का एसिडिक पदार्थ मुँह में आता है, जो दाँतों के इनेमल पर एसिडिक प्रभाव डालता है। इससे दाँतों की सतह पर एसिडिक परत जमा हो जाती है, जिससे दाँत खट्टे और कोमल हो जाते हैं। इसके अलावा, उल्टी में मौजूद एसिड दाँतों के इनेमल को भी नुकसान पहुँचा सकता है, जिससे दाँतों की सेहत पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



बुखार किस कारण होता है?



बुखार (Fever) शरीर की एक सामान्य प्रतिक्रिया है, जो अक्सर संक्रमण या अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती है। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का संकेत है कि वह किसी बाहरी समस्या से लड़ रही है। वायरल संक्रमण, बैक्टीरिया के संक्रमण, एलर्जी, हार्मोनल असंतुलन, मानसिक तनाव, गर्मी के बढ़ने, टीकाकरण के बाद, कैंसर जैसी कई बीमारियों के कारण बुखार आ सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



सर्दियों में मुँह से भाप क्यों निकलती है?



सर्दियों में मुँह से भाप निकलती है क्योंकि मानव के शरीर का तापमान 98.6 डिग्री फारेनहाइट (37 डिग्री सेल्सियस) होता है जबकि बाहर का तापमान काफी कम होता है। जब हम ठण्डी हवा में साँस लेते हैं, तो हमारे मुँह और नाक से निकलने वाली गर्म हवा ठण्डी हवा के संपर्क में आती है और वाष्पित हो जाती है। इस प्रक्रिया में गर्म हवा ठण्डी हवा के साथ मिलकर भाप में बदल जाती है, जो हमारे मुँह से निकलती हुई दिखाई देती है। यह प्रक्रिया तब और भी अधिक दिखाई देती है जब बाहर की हवा बहुत ठंडी होती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



क्या कारण है कि ठण्डे प्रदेशों में जल में रहने वाले जीव-जंतु सतह पर बर्फ जमने के बाद भी जीवित रहते हैं ?



जब ठण्डे प्रदेशों में जाड़े के दिनों में ताप शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे चला जाता है तो तालाब तथा झीलों का पानी बर्फ बनकर जमने लगता है। जमी हुई बर्फ का आयतन अधिक व घनत्व कम होने से यह पानी की सतह पर तैरने लगती है। बर्फ पानी को अच्छी तरह कवच के समान ढक लेती है, यह बाहर की ठण्डक को पानी के अंदर नहीं पहुँचने देती है। बर्फ की यह परत जाड़े में स्वेटर पहनने के समान है। तालाब या झील की सतह पर जब ताप शून्य डिग्री सेल्सियस होता है तो सतह के नीचे का ताप शून्य से अधिक ही रहता है और पानी ही रहता है। क्योंकि बर्फ की परत पानी की उष्मा को बाहर नहीं जाने देती। यही कारण है कि ठण्डे प्रदेशों में जल में रहने वाले जीव-जंतु सतह पर बर्फ जमने के बाद भी जीवित रहते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



सर्दियों में इतनी धुंध क्यों होती है?



सर्दियों में धुंध की स्थिति बनती है क्योंकि इस मौसम में वायुमंडल में नमी की मात्रा बढ़ जाती है। जब तापमान कम होता है, तो वायुमंडल में मौजूद जलवाष्प जमने लगता है और धुंध के रूप में दिखाई देता है। इसके अलावा, सर्दियों में वायुमंडलीय दबाव कम होने से भी धुंध की स्थिति बनती है। नदियों और झीलों से वाष्पीकरण की प्रक्रिया भी धीमी हो जाती है, जिससे वायुमंडल में नमी की मात्रा बढ़ जाती है और धुंध की स्थिति बनती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

969



सर्दियों में गाड़ियाँ चलाते समय काँच पर पानी की बूँदें कहाँ से आ जाती हैं?



सर्दियों में गाड़ियों के काँच पर पानी की बूँदें मुख्यतः संघनन (condensation) की प्रक्रिया के कारण बनती हैं। गाड़ी के अंदर का तापमान अक्सर गर्म होता है (हीटर के कारण या अंदर बैठे लोगों के शरीर की गर्मी के कारण), जबकि बाहर का तापमान ठंडा होता है। इस तापमान के अंतर के कारण, गाड़ी के काँच की सतह पर संघनन हो जाता है। गाड़ी के अंदर मौजूद हवा में नमी होती है (जो सांस लेने, या अन्य स्रोतों से आती है)। जब यह नमी ठंडी काँच की सतह के संपर्क में आती है, तो यह संघनित होकर पानी की बूँदों में बदल जाती है। यदि गाड़ी के बाहर की हवा ठंडी और नम है, तो यह भी काँच पर संघनन का कारण बन सकती है, खासकर जब गाड़ी रुकी हुई हो।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

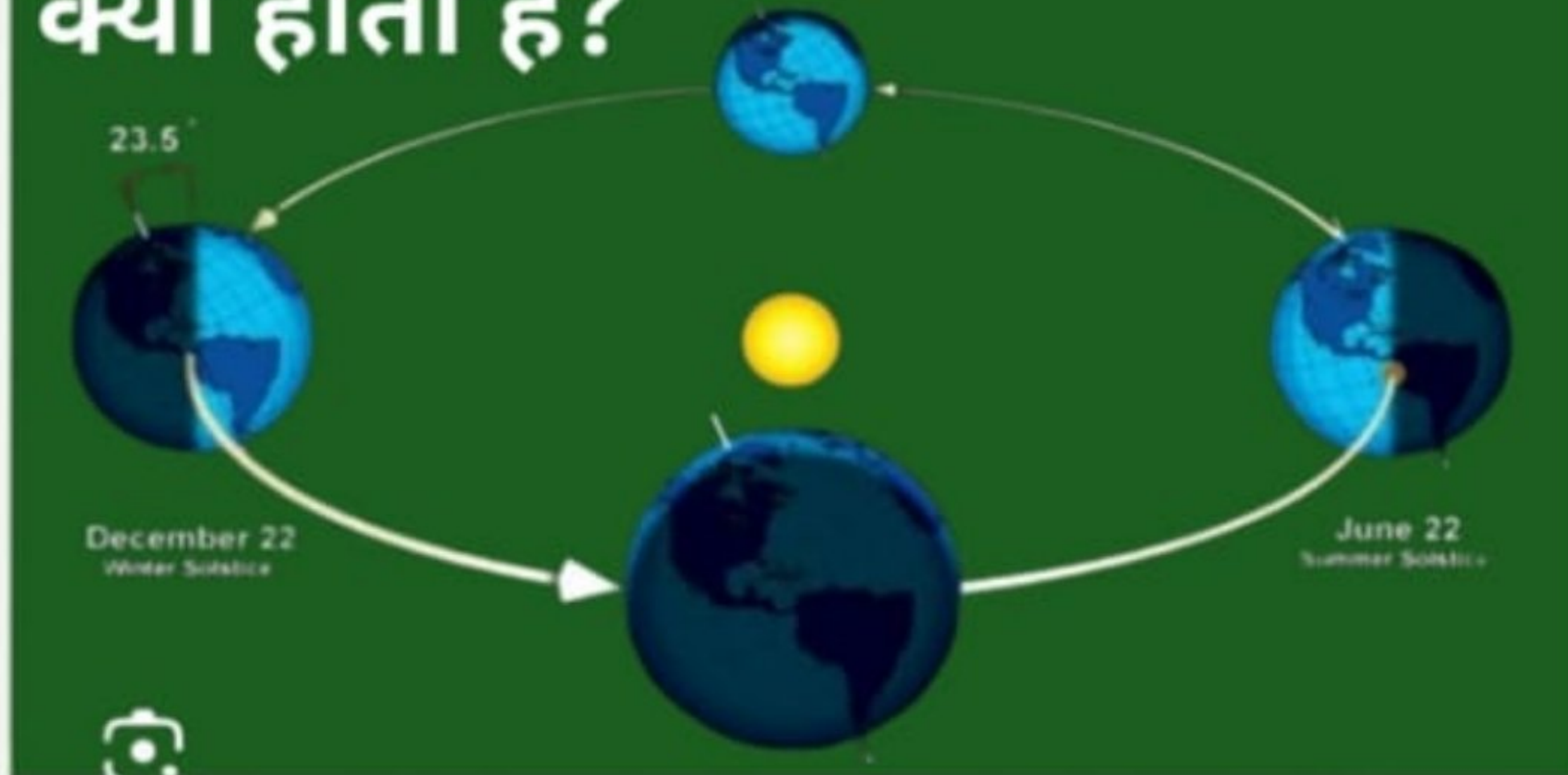


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

970



सर्दियों में दिन छोटे और रातें लम्बी क्यों होती हैं?



सर्दियों में दिन छोटे और रातें लम्बी होने का कारण पृथ्वी की धुरी का झुकाव है। जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है, तो उसकी धुरी लगभग 23.5 डिग्री के कोण पर झुकी रहती है। सर्दियों में, पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य से दूर होता है, जिससे सूर्य की किरणें कम कोण पर पड़ती हैं और दिन छोटे होते हैं। इसके विपरीत, रातें लम्बी होती हैं क्योंकि पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूर्य से दूर होता है और सूर्य की किरणें कम समय के लिए पड़ती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

971



ज़ेबरा क्रॉसिंग ब्लैक एंड व्हाइट क्यों होता है?



ज़ेबरा क्रॉसिंग पर काली और सफेद लाइनें इसलिए होती हैं क्योंकि ये डिजाइन उच्च दृश्यता प्रदान करती है। **काली और सफेद धारियाँ एक स्पष्ट विपरीतता बनाती हैं, जो सड़क पर दूर से भी आसानी से दिखाई देती हैं।** काले और सफेद रंग का संयोजन लोगों और वाहनों के चालकों को तुरंत ध्यान आकर्षित करता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम हो जाती है। सफेद रंग दिन में उज्ज्वल और रात में सड़क की रोशनी में चमकता है, जबकि काले रंग की धारियाँ सफेद के साथ विपरीतता बनाकर इसे और अधिक स्पष्ट बनाती हैं। इसे "ज़ेबरा" का नाम दिया गया है क्योंकि यह धारियाँ ज़ेबरा के शरीर पर मौजूद काली और सफेद धारियों की तरह दिखती हैं। इस डिज़ाइन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पैदल चलने वाले सुरक्षित रूप से सड़क पार कर सकें और वाहन चालक उन्हें आसानी से देख सकें।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



डॉक्टर प्लस का मतलब क्या होता है?



अस्पतालों, नर्सिंग होम, चिकित्सक क्लीनिक, डिस्पेंसरी, एंबुलेंस, मेडिकल कैंप समेत अन्य स्थानों पर लाल रंग का प्लस का यह निशान बताता है कि यहां चिकित्सा संबंधी बात की जा रही है। यानी चिकित्सा से जुड़ा हर व्यक्ति इस रेडक्रास निशान का उपयोग करता है।

यह बात हम सभी जानते हैं कि लाल रंग का मतलब खतरे का होता है। ऐसे में खतरे का निशान लाल रंग का होता है। उस समय लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए इस रंग का इस्तेमाल किया गया, जो कि ऊंचाई पर लगा होने का कारण दूर से ही दिखा जाता था। ऐसे में क्रॉस चिह्न को प्लस चिह्न का रूप देकर इस्तेमाल किया गया।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

973



कुंभ मेला क्या है? यह क्यों मनाया जाता है?



कुंभ मेला भारत का एक प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण जनसमूह माना जाता है। यह हिंदू धर्म के चार पवित्र स्थानों पर आयोजित होता है: प्रयागराज (इलाहाबाद), हरिद्वार, उज्जैन और नासिक। कुंभ मेले का आयोजन एक निश्चित समय चक्र के अनुसार होता है। कुंभ मेला हिंदू धर्म की धार्मिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। ऐसा माना जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश से कुछ अमृत की बूंदें इन चार स्थानों पर गिरी थीं। इसलिए, इन स्थानों पर स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कुंभ मेला हर 12 साल में एक बार चारों स्थानों पर बारी-बारी से आयोजित होता है। इसके अलावा, अर्धकुंभ मेला हर 6 साल में और महाकुंभ मेला हर 144 साल में आयोजित होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



कुंभ का मेला 12 साल में क्यों लगता है?



कुंभ मेला 12 साल में एक बार इसलिए लगता है क्योंकि बृहस्पति ग्रह का मेष राशि में आना 12 साल में एक बार होता है। कुंभ मेले का आयोजन सूर्य, चंद्रमा, और बृहस्पति ग्रह की स्थिति के आधार पर किया जाता है।

कुंभ मेले से जुड़ी मान्यताएं:-

पौराणिक मान्यता के मुताबिक, देवताओं का एक दिन पृथ्वी के 12 साल के बराबर होता है। मान्यता है कि अमृत कलश लेने के लिए देवताओं और असुरों के बीच 12 दिनों तक युद्ध चला था।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



कुंभ मेले का आयोजन किन नदियों पर होता है?



कुंभ मेले का आयोजन निम्नलिखित स्थानों पर निम्नलिखित नदियों पर होता है:-

1. प्रयागराज: गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम।
2. हरिद्वार: गंगा नदी।
3. उज्जैन: क्षिप्रा नदी।
4. नासिक: गोदावरी नदी।

कुंभ मेले में शाही स्नान सबसे आकर्षक का केंद्र होता है। यहां संतों-महात्माओं का जमावड़ा लगता है, जहां विभिन्न अखाड़े अपने परंपराओं का भी प्रदर्शन करते हैं। यहाँ दिन-रात संतों-महात्माओं का प्रवचन चलता रहता है। कुंभ मेले को 2017 में यूनेस्को ने "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर" के रूप में मान्यता दी है। यह मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, एकता और परंपराओं का प्रतीक भी है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



हमें सपने क्यों आते हैं?



सपने आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो मस्तिष्क की गतिविधियों से जुड़ी होती है। यह मुख्य रूप से तब होता है जब हम सोते हैं, खासकर REM (Rapid Eye Movement) चरण के दौरान। सपने आने के कई कारण हो सकते हैं, जो वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक दोनों दृष्टिकोण से समझे जा सकते हैं। सोते समय मस्तिष्क का एक हिस्सा सक्रिय रहता है और दिनभर की सूचनाओं, यादों और अनुभवों को प्रोसेस करता है। यह प्रक्रिया हमारी याददाश्त को संगठित और संरक्षित करने में मदद करती है। सपने मस्तिष्क द्वारा अनजाने में बनाई गई छवियाँ और कहानियाँ हो सकते हैं। हमारी भावनाएं, डर, इच्छाएं और चिंताएं भी सपनों का कारण बनती हैं। कभी-कभी, सपने हमारी अनसुलझी भावनाओं या दबे हुए विचारों को प्रकट करते हैं। पुरानी यादों का पुनरावलोकन भी सपनों का हिस्सा बन सकता है। शारीरिक थकान, तनाव, दवाइयों का असर या नींद की कमी भी सपनों को प्रभावित कर सकती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

977



कॉकरोच का सिर काटने के बाद भी वह कुछ दिनों तक जीवित क्यों रह सकता है?



कॉकरोच के सिर काटने के बाद जीवित रहने की वजह कॉकरोच के शरीर में कई छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, जिन्हें स्पाइरकल कहते हैं। इन छिद्रों से ही वह साँस लेता है, कॉकरोच के शरीर में तंत्रिका तंत्र का एक छोटा सा हिस्सा सिर में होता है, जबकि बाकी हिस्सा शरीर के निचले हिस्से में होता है। **कॉकरोच बिना सिर के त्वचा से साँस तो ले सकता है, लेकिन खा-पी नहीं सकता। समय बीतने के साथ भूख आदि से उसकी मौत हो जाती है।**

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



गुदगुदी करने पर हसी क्यों आती है?

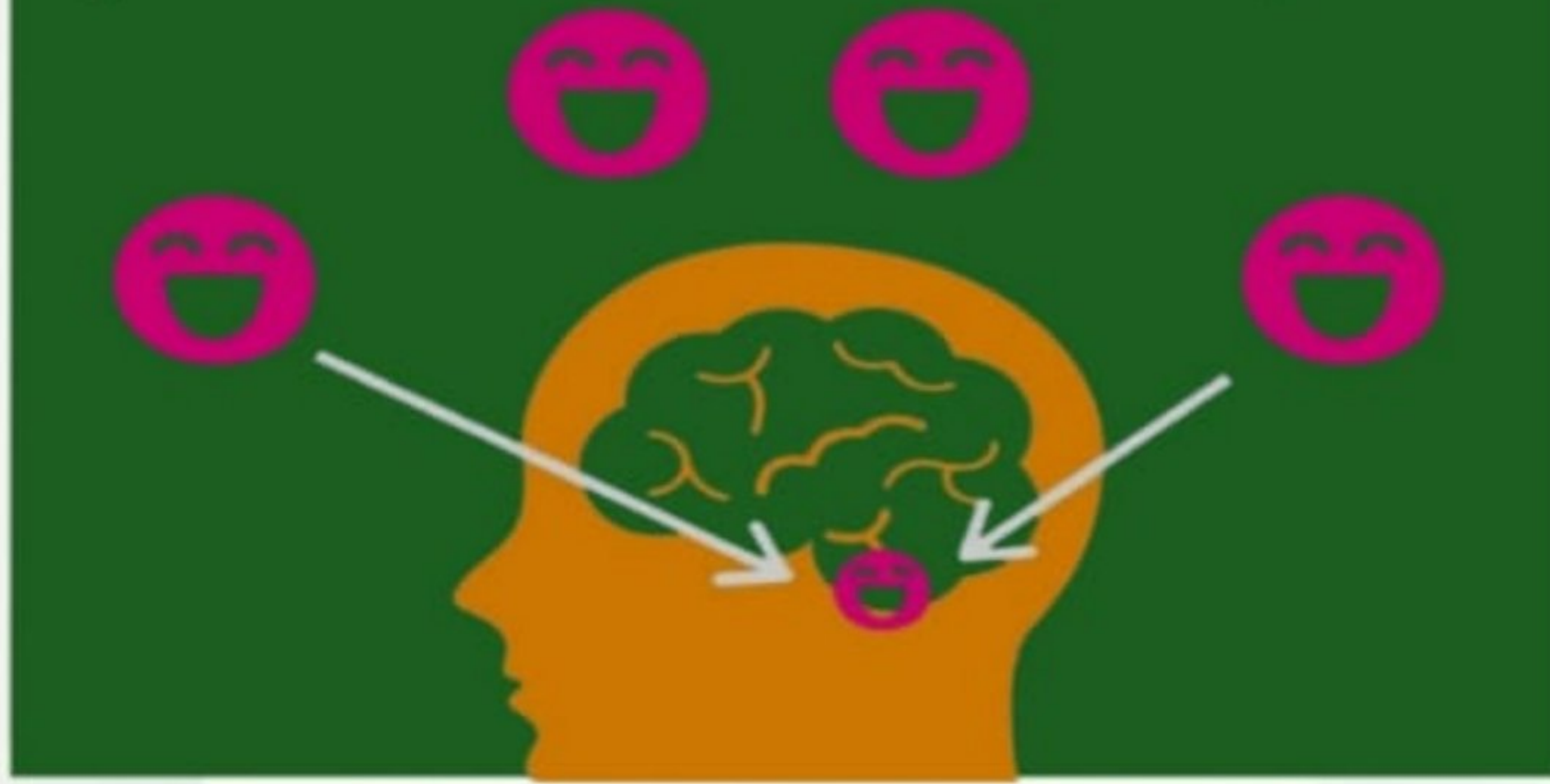


गुदगुदी करने पर हसी आने का कारण हमारे शरीर की तंत्रिका प्रणाली में है। जब हमारे शरीर के किसी हिस्से में गुदगुदी की जाती है, तो इससे हमारे मस्तिष्क में एक प्रतिक्रिया होती है जो हमें हंसने के लिए प्रेरित करती है। यह प्रतिक्रिया हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है जो हमें तनाव और थकान से मुक्त करने में मदद करती है। जब हम हंसते हैं, तो इससे हमारे शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन का स्राव होता है जो हमें खुशी और आराम की अनुभूति कराता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



एंडोर्फिन हार्मोन क्या है?



एंडोर्फिन हार्मोन एक प्राकृतिक रसायन है जो हमारे शरीर में पाया जाता है। यह हार्मोन हमारे मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में उत्पन्न होता है और हमारे शरीर में दर्द और तनाव को कम करने में मदद करता है। **एंडोर्फिन हार्मोन को "खुशी का हार्मोन" भी कहा जाता है** क्योंकि यह हमें खुशी, आराम और संतुष्टि की अनुभूति कराता है। जब हम हंसते हैं, व्यायाम करते हैं या किसी प्रकार का आनंद लेते हैं, तो हमारे शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन का स्राव होता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

980



सर्दियों में हाथ और पैर फटने लगते हैं, क्यों ?



सर्दियों में हाथ और पैर फटने का मुख्य कारण शुष्क (ड्राई) त्वचा होती है। ठंड के मौसम में नमी कम हो जाती है, जिससे त्वचा की प्राकृतिक नमी भी कम होने लगती है। इसके कारण त्वचा रूखी, खुरदरी और फटने लगती है। गर्म पानी से स्नान त्वचा के प्राकृतिक तेलों को हटा देता है, जिससे रूखापन बढ़ जाता है। ऐसे में हाथ-पैरों को सही से नमी नहीं मिलती है तो त्वचा फटने लगती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

981



सर्दियों के मौसम में हृदयाघात के खतरे बढ़ जाते हैं क्यों?

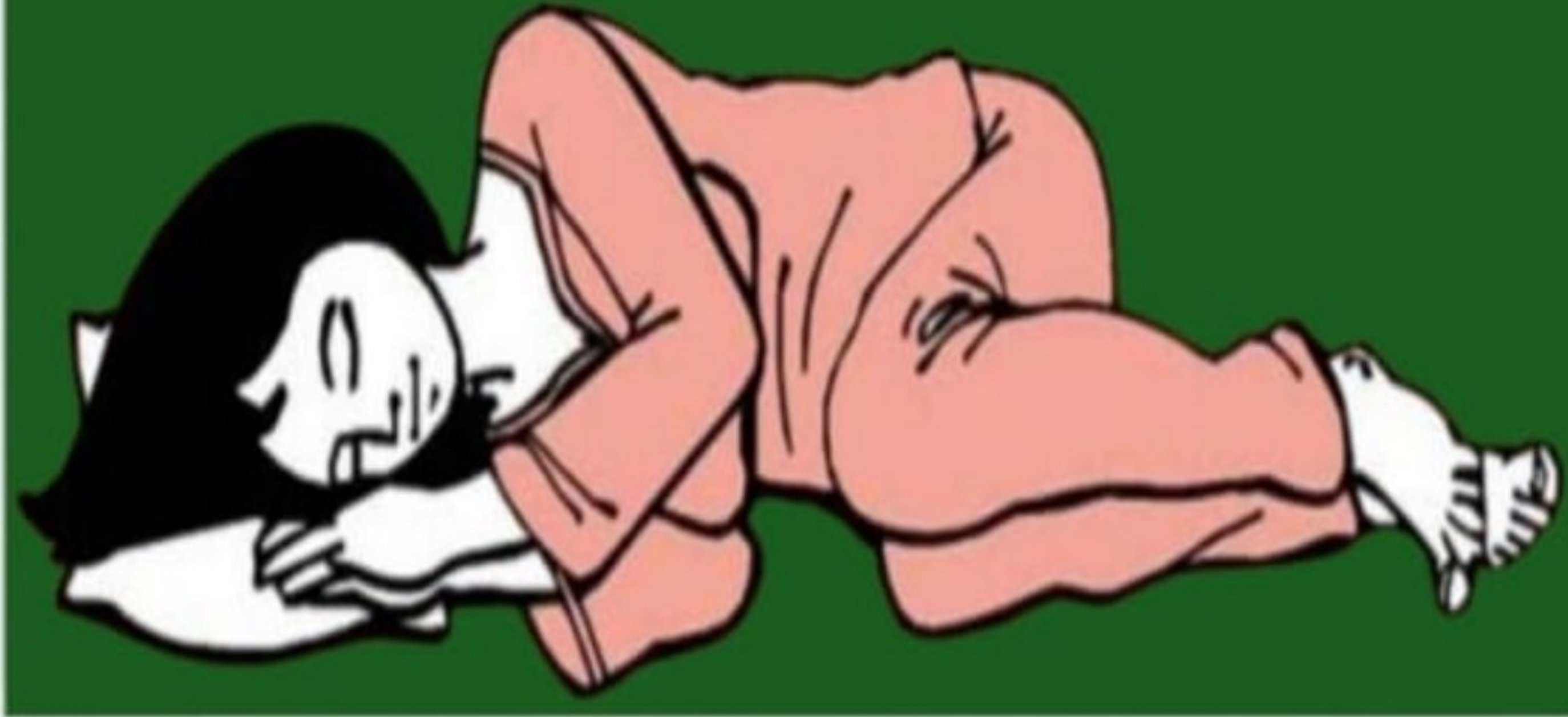


सर्दियों के मौसम में हृदयाघात के खतरे बढ़ जाते हैं क्योंकि ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त का प्रवाह कम हो जाता है और हृदय पर दबाव बढ़ जाता है। इसके अलावा, सर्दी के मौसम में लोग अधिक घर के अंदर रहते हैं और शारीरिक गतिविधियां कम करते हैं, जिससे रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है। इसके साथ ही, सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण भी बढ़ जाता है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इन सभी कारणों से सर्दियों के मौसम में हृदयाघात के खतरे बढ़ जाते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



सपने अधिकतर क्यों याद नहीं रहते?



सपने याद न रहने की वजह ये हो सकती है कि सपने देखते समय दिमाग में मौजूद नॉरएपेनेफ्रिन नाम का केमिकल कम एक्टिव होता है, यह केमिकल याददाश्त से जुड़ा होता है और दिमाग की गतिविधियों को याद रखने में मदद करता है। इसके अलावा सपनों में कुछ नियमितता नहीं होती, इसलिए उन्हें याद रखना मुश्किल होता है। ज्यादातर सपनों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। नींद की गुणवत्ता, तनाव, आनुवंशिकी, और दवाओं का सेवन जैसे कारक भी सपने याद न रहने की वजह हो सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



ग्रीनविच समय और भारतीय मानक समय में क्या अंतर है?



ग्रीनविच माध्य समय (GMT) और भारतीय मानक समय (IST) में अंतर है -

* **ग्रीनविच माध्य समय (GMT):-** यह 0 डिग्री देशांतर रेखा पर आधारित है, जो लंदन के ग्रीनविच से होकर गुजरती है। इसे वैश्विक मानक समय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

* **भारतीय मानक समय (IST):-** यह 82.5 डिग्री पूर्वी देशांतर रेखा पर आधारित है, जो भारत के इलाहाबाद (प्रयागराज) के पास से होकर गुजरती है। यह भारत का आधिकारिक समय है।

IST, GMT से 5 घंटे 30 मिनट आगे है। इसका मतलब है कि जब ग्रीनविच में दोपहर के 12 बजे होते हैं, तो भारत में शाम के 5:30 बजे होते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



गेहूँ की फसल के लिए कोहरा क्यों लाभप्रद है?



गेहूँ की फसल के लिए कोहरा कई तरह से फ़ायदेमंद होता है। कोहरा हवा में नमी की मात्रा को बढ़ाता है, जिससे मिट्टी में नमी बनी रहती है। यह गेहूँ के पौधों को बढ़ने और विकसित होने में मदद करता है। साथ ही कोहरा तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह तापमान को बहुत ज़्यादा गिरने से रोकता है, जिससे गेहूँ के पौधों को पाले से बचाया जा सकता है। कोहरा वाष्पोत्सर्जन प्रक्रिया को धीमा करता है जिससे पौधे लंबे समय तक हरेभरे बने रहते हैं। कोहरे से मृदा में भी नमी रहती है जिससे सूक्ष्मजीवों के विकास में सहायता मिलती है, इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

985



मोबाइल की रेडिएशन कितनी नुकसानदायक हो सकती है?



मोबाइल फोन से निकलने वाली रेडिएशन, जिसे रेडियोफ्रीक्वेंसी (RF) रेडिएशन कहा जाता है, नॉन-आयोनाइजिंग प्रकार की होती है। इसका मतलब है कि यह इतनी शक्तिशाली नहीं होती कि डीएनए को सीधे नुकसान पहुँचा सके या कैंसर जैसी बीमारियों का कारण बने, जैसे कि आयोनाइजिंग रेडिएशन (जैसे एक्स-रे या गामा किरणें) करती हैं। हालांकि, इसका लंबे समय तक अत्यधिक उपयोग कुछ हद तक स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकता है। लंबे समय तक फोन को कान के पास रखने से त्वचा और कान के आस-पास की टिशू में हल्की गर्मी महसूस हो सकती है। मोबाइल से निकलने वाली नीली रोशनी और रेडिएशन मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को प्रभावित कर सकती है, जिससे नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। लगातार मोबाइल पर बात करने से सिरदर्द, चक्कर आना और मानसिक थकान जैसी समस्याएँ देखी गई हैं। बच्चों और किशोरों में रेडिएशन का असर उनके सीखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता पर पड़ सकता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



असेंबली में अधिक देर खड़े रहने से चक्कर क्यों आने लगते हैं?



असेंबली में अधिक देर तक खड़े रहने पर चक्कर आने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें से कुछ मुख्य कारण इस प्रकार हैं:-

*** रक्तचाप में कमी:-** जब हम खड़े होते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण के कारण रक्त हमारे पैरों और निचले शरीर में जमा हो जाता है। इससे मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह कम हो सकता है, जिससे चक्कर आ सकते हैं। यह समस्या उन लोगों में अधिक होती है जिनका रक्तचाप पहले से ही कम होता है।

*** निर्जलीकरण:-** लंबे समय तक खड़े रहने से पसीना आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। निर्जलीकरण के कारण भी चक्कर आ सकते हैं।

*** थकान:-** लंबे समय तक खड़े रहने से मांसपेशियों में थकान हो सकती है, जिससे चक्कर आ सकते हैं।

*** अन्य स्वास्थ्य समस्याएं:-** कुछ स्वास्थ्य समस्याओं, जैसे कि एनीमिया, हृदय रोग, या तंत्रिका तंत्र संबंधी विकार, के कारण भी चक्कर आ सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



आदमी कितनी देर तक साँस को रोक सकता है?



सामान्य रूप से, एक स्वस्थ व्यक्ति बिना किसी प्रशिक्षण के 30 से 90 सेकंड तक साँस रोक सकता है। हालांकि, यह व्यक्ति की फिटनेस, फेफड़ों की क्षमता और मानसिक नियंत्रण पर निर्भर करता है। जो लोग फ्री-डाइविंग या प्राणायाम का अभ्यास करते हैं, वे 3 से 5 मिनट (या उससे अधिक) तक साँस रोक सकते हैं। सबसे लंबा दर्ज किया गया साँस रोकने का समय 24 मिनट 37 सेकंड (Budimir Sobat, 2021) है, जो विशेष तकनीकों और ऑक्सीजन प्री-ब्रीदिंग से संभव हुआ। परंतु, बहुत अधिक समय तक साँस रोकने से ऑक्सीजन की कमी (हाइपोक्सिया) हो सकती है, जिससे बेहोशी या अन्य शारीरिक समस्याएँ हो सकती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

988



आदमी कितने दिनों तक भूखा रह सकता है?



एक स्वस्थ व्यक्ति 3 से 7 दिन तक बिना भोजन के रह सकता है, लेकिन यह कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे शरीर की चर्बी, पानी की उपलब्धता, स्वास्थ्य स्थिति और मानसिक सहनशक्ति। बिना भोजन के जीवित रहना संभव है, लेकिन बिना पानी के 3 से 5 दिन में मौत हो सकती है। कुछ लोग चिकित्सकीय देखरेख में 40 से 60 दिन तक उपवास कर चुके हैं, लेकिन यह जोखिम भरा होता है। महात्मा गांधी ने 21 दिनों तक केवल पानी पीकर उपवास किया था। वहीं, 1970 के दशक में एक व्यक्ति ने डॉक्टरी निगरानी में 382 दिन तक उपवास किया और केवल विटामिन और पानी लिया। भूखे रहने से शरीर पहले ग्लूकोज़, फिर चर्बी और अंत में मांसपेशियों को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है। लंबे समय तक भूखा रहने से अंग फेल हो सकते हैं और मृत्यु हो सकती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

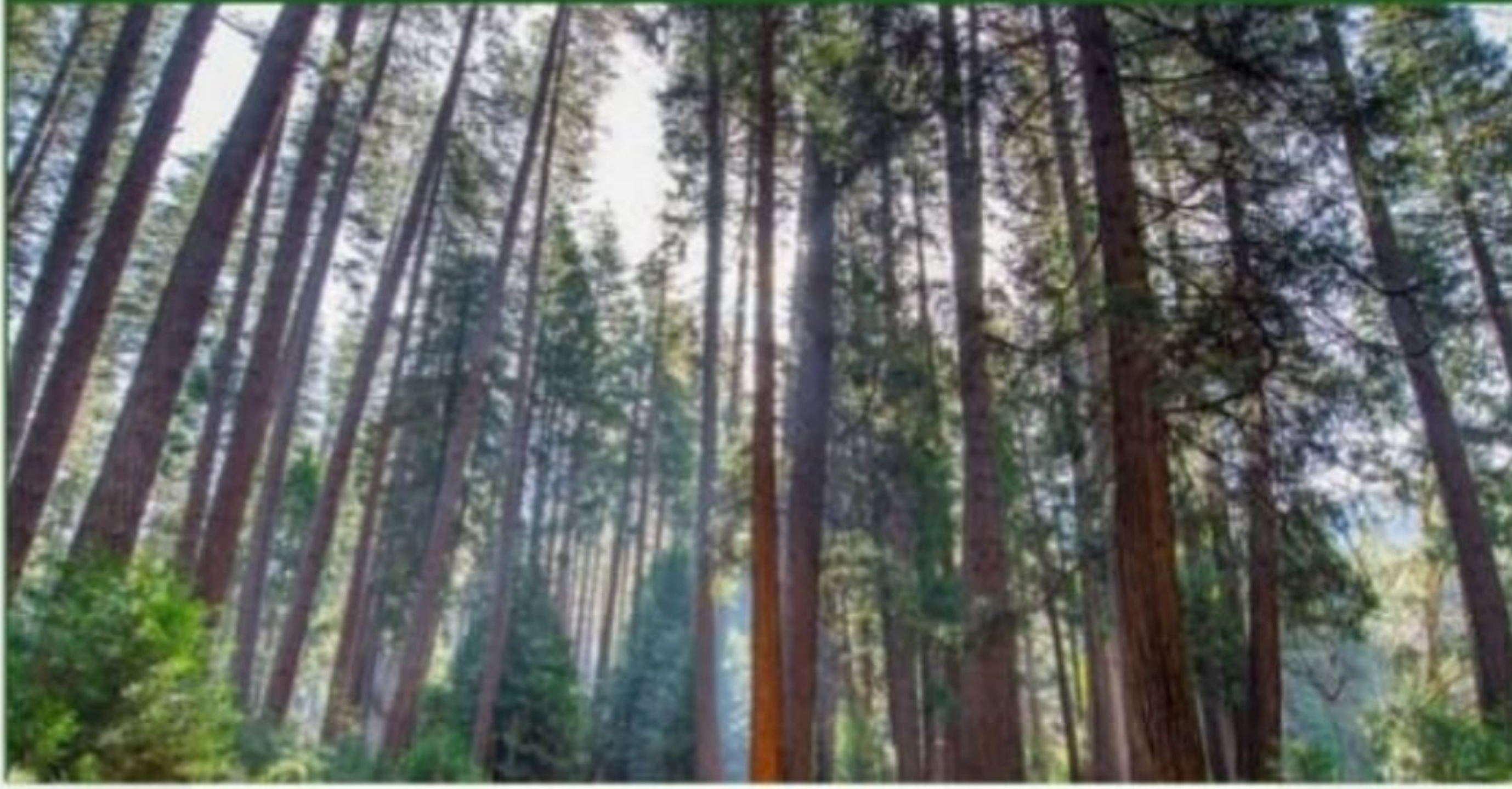


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

989



क्या पेड़ आपस में बातें कर सकते हैं?



पेड़ आपस में बातें नहीं कर सकते हैं जैसे कि हम इंसान करते हैं। उनके पास कोई मुँह, कान या बोलने की क्षमता नहीं होती है। लेकिन, पेड़ आपस में और अपने आसपास के वातावरण के साथ संवाद करने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करते हैं। पेड़ के संवाद के कुछ तरीके इस प्रकार हैं:

1. ***रासायनिक संकेत*:** पेड़ रासायनिक संकेतों का उपयोग करके आपस में और अन्य पौधों के साथ संवाद करते हैं। वे विभिन्न प्रकार के रासायनिक यौगिकों को छोड़ते हैं जो हवा, मिट्टी और पानी के माध्यम से अन्य पौधों तक पहुंचते हैं।
2. ***माइकोराइजल नेटवर्क*:** पेड़ की जड़ें माइकोराइजल फंगस के साथ जुड़ी होती हैं, जो एक प्रकार का फंगस है जो पेड़ की जड़ों के साथ सहजीवी संबंध बनाता है। यह नेटवर्क पेड़ों को आपस में और अन्य पौधों के साथ पोषक तत्वों और जानकारी को साझा करने की अनुमति देता है।
3. ***वायुमंडलीय संकेत*:** पेड़ वायुमंडलीय संकेतों का उपयोग करके आपस में और अन्य पौधों के साथ संवाद करते हैं। वे विभिन्न प्रकार के वायुमंडलीय संकेतों को छोड़ते हैं, जैसे कि वाष्प, जो अन्य पौधों तक पहुंचते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

990



चंद्रमा पर हमारा वजन कम क्यों हो जाता है?



चंद्रमा पर हमारा वजन कम होने का कारण वहाँ की गुरुत्वाकर्षण बल का पृथ्वी की तुलना में कम होना है। चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति पृथ्वी की तुलना में लगभग $1/6$ (16.5%) है। इसका मतलब है कि यदि पृथ्वी पर आपका वजन 60 किलोग्राम है, तो चंद्रमा पर आपका वजन केवल 10 किलोग्राम होगा।

वजन का अर्थ:- वजन = द्रव्यमान × गुरुत्वाकर्षण बल।

आपका द्रव्यमान नहीं बदलता, लेकिन गुरुत्वाकर्षण बल कम होने के कारण आपका वजन भी कम हो जाता है। इसलिए चंद्रमा पर आप हल्का महसूस करते हैं और अधिक ऊँचाई तक कूद सकते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

991



सबसे हल्की चीज कौन - सी होती है?



सबसे हल्की चीज हाइड्रोजन गैस होती है। हाइड्रोजन गैस का घनत्व हवा के घनत्व से भी कम होता है, जिसके कारण यह हवा में आसानी से तैरती रहती है। हाइड्रोजन गैस का घनत्व लगभग **0.0899 ग्राम/लीटर** होता है, जो कि किसी भी अन्य पदार्थ की तुलना में बहुत कम है। इसकी हल्कापन के कारण, हाइड्रोजन गैस का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है, जैसे कि उड़ान भरने वाले गुब्बारों में और वाहनों के ईंधन के रूप में।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



बारिश का पानी कहाँ से आता है?



बारिश का पानी वायुमण्डल से आता है, जो जल चक्र की प्रक्रिया के माध्यम से होता है। जल चक्र के चरण इस प्रकार हैं:

1. **वाष्पीकरण**: सूर्य की गर्मी से पृथ्वी की सतह से पानी वाष्प में बदल जाता है।
2. **संघनन**: वायुमण्डल में वाष्पित पानी ठण्डा होकर संघनित होता है और बादल बनते हैं।
3. **संघनन और वर्षा**: जब बादल अधिक भारी हो जाते हैं, तो वे पानी की बूंदों के रूप में पृथ्वी पर गिरते हैं, जिसे हम बारिश कहते हैं।
4. **पुनर्वाष्पीकरण**: बारिश के बाद, पानी फिर से वाष्प में बदल जाता है और जल चक्र फिर से शुरू होता है।

इस प्रकार, बारिश होने पर पानी वायुमण्डल से आता है और जल चक्र की प्रक्रिया के माध्यम से पृथ्वी पर गिरता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

993



सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर कौन है?



सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर चीता है। चीता की अधिकतम गति लगभग 120 किलोमीटर प्रति घंटा (75 मील प्रति घंटा) हो सकती है, जो इसे दुनिया का सबसे तेज़ भूमि जानवर बनाती है। चीता के लंबे पैर, शक्तिशाली मांसपेशियाँ, पैरों की विशेष संरचना उन्हें तेजी से दौड़ने में मदद करती हैं। चीता की गति के कारण, वे अपने शिकार को पकड़ने में बहुत सफल होते हैं। हालांकि, चीता की गति केवल छोटी दूरी के लिए होती है, और वे लम्बी दूरी के लिए दौड़ने में थक जाते हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



हमें छींक क्यों आती है?



छींक हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, जो हमारे नाक और फेफड़ों को साफ करने में मदद करती है। जब हमारे नाक में कोई वाह्य पदार्थ जैसे कि धूल, प्रदूषण या एलर्जन पदार्थ प्रवेश करता है, तो हमारा शरीर इसे निकालने के लिए छींक की प्रतिक्रिया को ट्रिगर करता है। छींक के दौरान, हमारे नाक और मुँह से हवा तेजी से बाहर निकलती है, जिससे वाह्य पदार्थ निकाला जाता है और हमारे नाक और फेफड़ों को साफ किया जाता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

995



हमारी हड्डियाँ मजबूत क्यों होती हैं?



हमारी हड्डियाँ मजबूत होने के कई कारण हैं। हड्डियों में कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे खनिजों की उच्च मात्रा होती है, जो उन्हें मजबूत बनाती हैं। इसके अलावा, हड्डियों में कोलेजन नामक प्रोटीन होता है, जो उन्हें लचीलापन और मजबूती प्रदान करता है। विटामिन डी भी हड्डियों की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। नियमित व्यायाम भी हड्डियों की मजबूती में मदद करता है, क्योंकि यह हड्डियों पर दबाव डालता है और उन्हें मजबूत बनाता है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

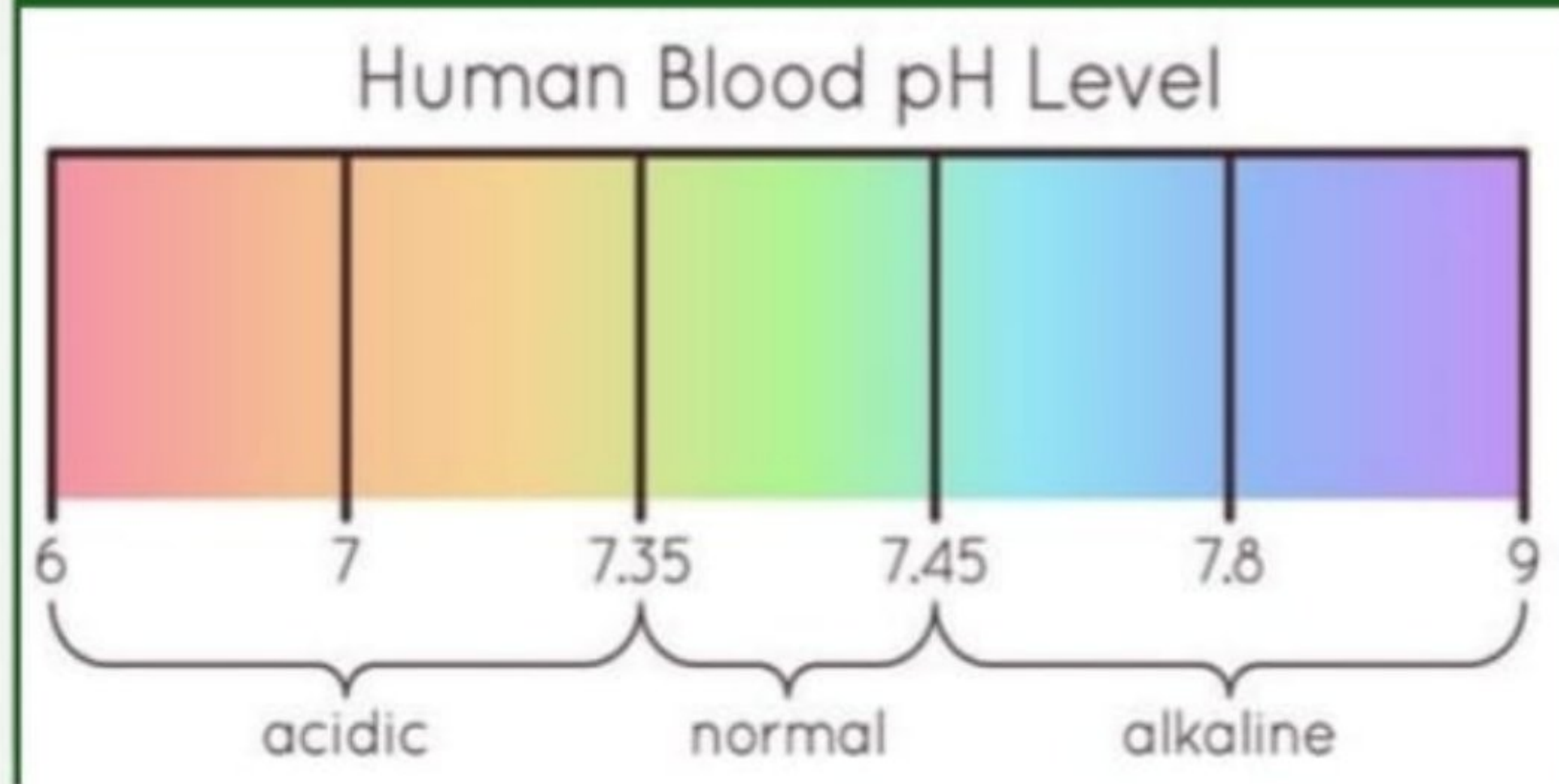


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

996



मानव रक्त अम्लीय है या क्षारीय ?



मानव रक्त थोड़ा क्षारीय होता है। इसका pH मान लगभग 7.35 से 7.45 के बीच होता है। यह क्षारीयता रक्त में उपस्थित बाइकार्बोनेट आयनों के कारण होती है। रक्त की क्षारीयता को बनाए रखने के लिए शरीर में कई तंत्र होते हैं, जैसे कि फेफड़ों में कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन और गुदों में हाइड्रोजन आयनों का उत्सर्जन। रक्त की अल्प क्षारीयता शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह शरीर के विभिन्न कार्यों को सुचारु रूप से चलाने में मदद करती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

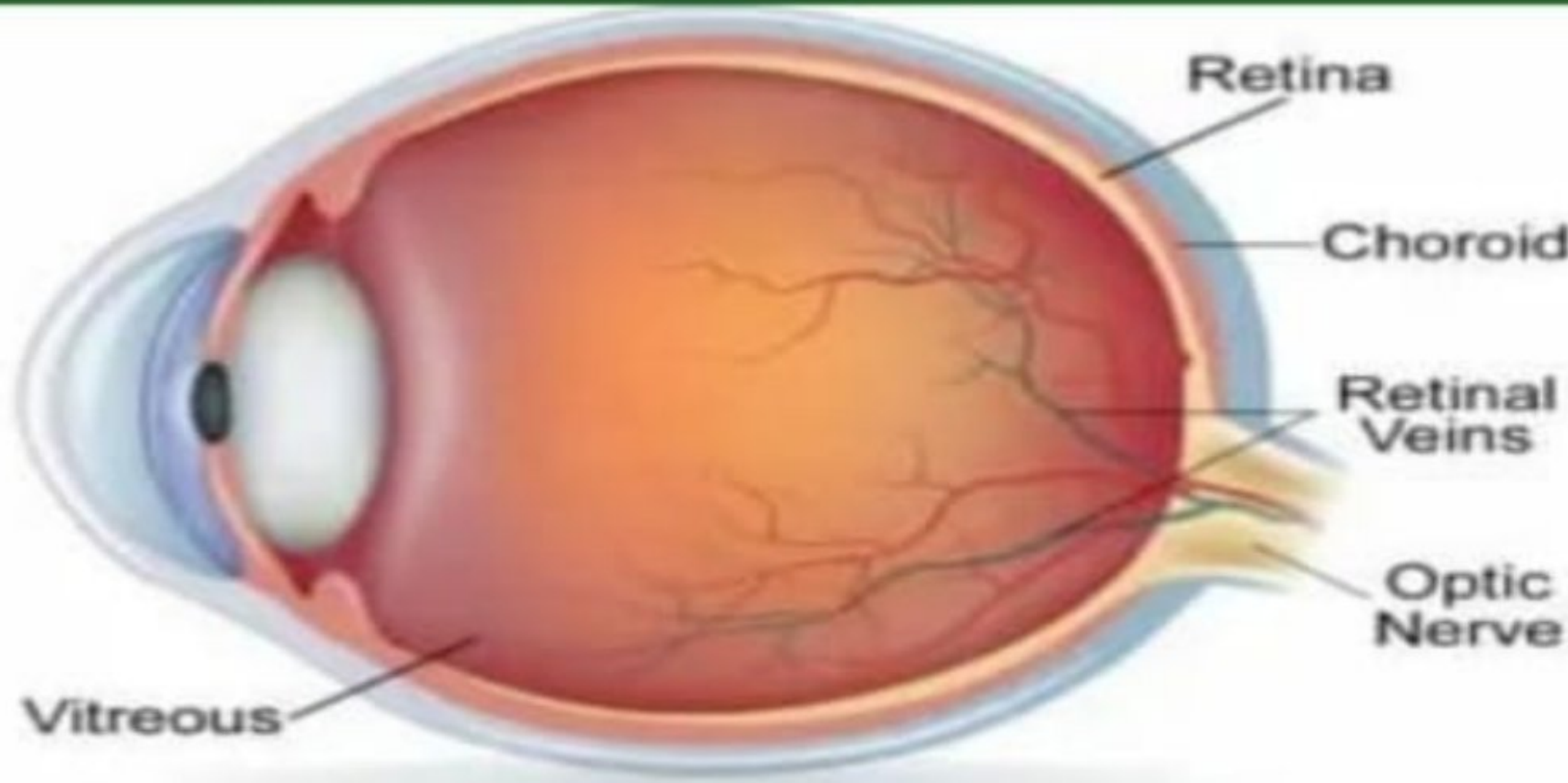


जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

997



हमारी आँखें अंधेरे में क्यों देख नहीं पाती हैं?



हमारी आँखें अंधेरे में देख नहीं पाती हैं क्योंकि आँखों में रेटिना नामक एक परत होती है, जो प्रकाश को अवशोषित करती है और उसे दृष्टि में परिवर्तित करती है। जब प्रकाश रेटिना पर पड़ता है, तो यह प्रकाश को अवशोषित करती है और उसे दृष्टि में परिवर्तित करती है, जिससे हम देख पाते हैं। लेकिन जब अंधेरे में होते हैं, तो रेटिना पर प्रकाश नहीं पड़ता है, जिससे आँखें देख नहीं पाती हैं। आँखों की यह सीमा प्रकाश की अनुपस्थिति के कारण होती है, न कि आँखों की किसी विशेष कमी के कारण। हालांकि, कुछ जानवर, जैसे कि बिल्लियाँ, चूहे आदि अंधेरे में देख सकते हैं क्योंकि उनकी आँखों में एक विशेष परत होती है जो प्रकाश को अवशोषित करती है और उसे दृष्टि में परिवर्तित करती है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

998



क्या कोई बिना पलक झपकाए रह सकता है?



नहीं, कोई भी व्यक्ति बिना पलक झपकाए नहीं रह सकता है। पलक झपकाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जो हमारी आँखों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। पलक झपकाने से हमारी आँखों को नमी मिलती है और धूल, धुएँ और अन्य हानिकारक पदार्थों से बचाव होता है। यदि कोई व्यक्ति बिना पलक झपकाए रहता है, तो उसकी आँखों में सूखापन और जलन हो सकती है, जिससे दृष्टि समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, पलक झपकाना एक आवश्यक प्रक्रिया है जो हमारी आँखों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

999



हमारी उँगलियाँ पानी में भीग कर सिकुड़ क्यों जाती हैं?



हमारी उँगलियाँ पानी में भीगकर सिकुड़ती नहीं, बल्कि झुर्रीदार (wrinkled) हो जाती हैं। इसका कारण हमारी त्वचा की बाहरी परत (एपिडर्मिस) और हमारे तंत्रिका तंत्र की प्रतिक्रिया है। जब हमारी उँगलियाँ लंबे समय तक पानी में रहती हैं, तो हमारे शरीर की नसें रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देती हैं। इससे त्वचा की ऊपरी परत सिकुड़ने लगती है और झुर्रियाँ दिखने लगती हैं। यह शरीर की एक स्वतःस्फूर्त प्रक्रिया होती है। इसके अलावा त्वचा की बाहरी परत में केराटिन नामक प्रोटीन होता है, जो पानी को अवशोषित कर सकता है। जब यह पानी सोखता है, तो त्वचा फूल जाती है, लेकिन अंदर की परतें उतनी नहीं फैलतीं, जिससे झुर्रियाँ पड़ जाती हैं।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा



जानिए - क्या, क्यों और कैसे ?

1000



क्या सूरज कभी बुझ सकता है?



सूरज एक विशाल तारा है, जो हाइड्रोजन और हीलियम गैसों से बना है। यह अपने केंद्र में परमाणु संलयन की प्रक्रिया द्वारा ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिससे प्रकाश और गर्मी निकलती है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि सूरज लगभग 4.6 अरब साल पुराना है और यह अगले 5 अरब सालों तक इसी तरह जलता रहेगा। लेकिन, अंततः सूरज का हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाएगा और यह एक लाल दानव तारे में बदल जाएगा। इस अवस्था में, सूरज का आकार बहुत बड़ा हो जाएगा और यह पृथ्वी सहित अपने निकट के ग्रहों को निगल जाएगा। अंत में, सूरज एक सफेद बौने तारे में बदल जाएगा। इसके बाद भी यह अरबों वर्ष तक कम चमकीले तारे के रूप में बना रहेगा। इस तरह से सूरज बूझेगा नहीं बल्कि कम चमकीले तारे में बदल जाएगा। इसके बाद क्या होगा, यह अभी शोध का विषय है।

संकलन - टीम बाल जिज्ञासा

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मानवता का कल्याण



मिशन शिक्षण संवाद



बालजिज्ञासाटीम

जानिये - क्या, क्यों और कैसे?



मिहिर यादव

कं. उ. प्रा. वि. पाण्डेयपुर,
मुंगरा बादशाहपुर- जौनपुर



नरेन्द्र नाथ पटेल

कं. वि. सुरहन वि. ख.
भदोही - भदोही



रविन्द्र कुमार पटेल

पी.एम. श्री उ. प्रा. वि.
झौआ औराई- भदोही



प्रियंका गौतम

क. वि. कन्या एत्मादपुर,
एत्मादपुर- आगरा



पूजा सक्सेना

पी. एम. श्री विद्यालय
बेलगवां, ऐलिया- सीतापुर